[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

I

Sr. No. of Question Paper : 2237

Unique Paper Code : 2322102302

Name of the Paper : Ancient and Medieval Indian Political Thought

Name of the Course : **B.A. (Prog) Political Science**

Semester : III

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Any Five** Questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Critically evaluate the features of ancient and medieval Indian Political thought.
प्राचीन एवं मध्य कालीन भारतीय राजनीतिक चिंतन की विशेषताओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिये।

2. Elaborate the theory of kingship as described by Gautam Buddha in Aggansutta.
अग्गनसुत्त में गौतम बुद्ध द्वारा वर्णित राज सत्ता के सिद्धांत का विस्तार से वर्णन कीजिये।

3. Critically analyse the Hindu social laws as propounded by Manu in Manusniriti.
मनु द्वारा मनु स्मृति में प्रतिपादित हिंदू सामाजिक कानूनों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।

4. Examine the theory of kingship and statecraft propounded by Sukra in Sukraniti.

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY

P.T.O.

शुक्र नीति में शुक्र द्वारा प्रतिपादित राजत्व और शासन कला के सिद्धांत का परीक्षण कीजिये।

5. Elucidate on Kautilya's Mandala theory. Do you think it is relevant in contemporary India. Give reasons for your answer.

कौटिल्य के मंडल सिद्धांत पर प्रकाश डालिए। क्या आपको लगता है कि यह समकालीन भारत में प्रासंगिक है? अपने उत्तर के कारण बताएं।

6. Kabir is more of social critique than social reformer. Discuss

कबीर समाज सुधारक से अधिक सामाजिक समालोचक हैं। चर्चा कीजिये।

7. Examine the contribution and relevance of Thiruvalluarin ancient Indian Political thought.

प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन में तिरुवल्लुर के योगदान और प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिये।

8. Evaluate the significant contributions of 'Brishpati' in field of Goverance, justice, and jurisprudence.

शासन, न्याय और न्यायशास्त्र के क्षेत्र में 'बृहस्पति' के महत्वपूर्ण योगदान का मूल्यांकन कीजिये।

9. Discuss the main idea of Advaita philosophy of Shankar acharya.

शंकराचार्य के अद्वैत दर्शन के मुख्य विचार की चर्चा कीजिये।

10. Write short notes on **Any Two** of the following :

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(a) Kautilya's Saptanga theory

कौटिल्य का सप्तांग सिद्धांत

(b) Abul Fazal on religious harmony

धार्मिक सद्भाव पर अबुल फज़ल

(c) Socio-Political and Spiritual Contribution of Basavanna

बसवन्ना का सामाजिक-राजनीतिक और आध्यात्मिक योगदान

(d) Socio religious reform of Gurunanak

गुरूनानक के सामाजिक और धार्मिक सुधार

कालिन्दी महाविद्यालय पुस्तकालय
KALINDI COLLEGE LIBRARY